होली बाबा से खेल्यावांगा रूणिचा चालो

होली बाबा से खेल्यावांगा,
रूणिचा चालो,
रूणिचा चालो रे,
बाबा के चालो।bd।

फागण म म्हारो रामधनी तो,
रंग रंगीलो दिखे,
दूर दूर से आवे जातरी,
रंग गुलाल उड़ावे,
की मेलो बाबा को देख्यावांगा,
रुणिचे चालो।bd।

बाबा के दरबार माहीने,
रंग हबीब उडास्या,
सूरत देखी रामधनी की,
चन्दन खूब लगास्या,
की आपा बाबा से मिल्यावांगा,
रुणिचे चालो।bd।

झांझ मजीरा चंग बजास्या,
झूम झूम कर नाचा,
रामधनी के रंग रंगोड्या,
भक्त सदा ही साँचा,
की आपा बाबा न मनावांगा,
रुणिचे चालो।bd।

लीले रो असवार रामदेव,
पर्चा खूब दिखावे,
भगता माही भीड़ पड़े तो,
लीले चढ़ न आवे,
लीले वाले न रिझावांगा,
रुणिचे चालो।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अन धन का भंडार भरया है,
दोनों हाथ लुटावे,
मन चाया वरदान मिले है,
जो कोई आस लगावे,
की डोरी प्रीत की बांध्यावांगा,
रुणिचे चालो।bd।

सांचा पर्चा देवन वालों,
अजमल जी को लालो,
दास गोपालो भजन सुनावे,
रूणिचा में चालो,
की जम्मो जागन लगावांगा,
रुणिचे चालो।bd।

होली बाबा से खेल्यावांगा,
रूणिचा चालो,
रूणिचा चालो रे,
बाबा के चालो।bd।

गायक – गोपाल सोनी रतनगढ़।
9982095020

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com